दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 108 जनवरी-फरवरी, 2016 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



दिल्ली पुलिस के 20वें नए मुखिया
श्री आलोक कुमार वर्मा

पुलिसकर्मी जनता के बीच उपस्थित रहें और पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से अपनी ड्यूटी करें: श्री आलोक कुमार वर्मा

1979 बैच के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री आलोक कुमार वर्मा ने 29 फरवरी, 2016 को 20वें पुलिस आयुक्त के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। प्रातः लगभग 11.30 बजे नवनियुक्त पुलिस आयुक्त के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह ने उन्हें पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् पुलिस मुख्यालय प्रांगण में श्री आलोक कुमार वर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। श्री आलोक कुमार वर्मा ने पुलिस मुख्यालय के द्वितीय तल पर स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में जाकर तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से पदभार ग्रहण किया और उन्हें सम्मानपूर्वक विदा करने के लिए उनकी गाड़ी तक छोड़ने भी आए। इस शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दिल्ली पुलिस के सभी शीर्षस्थ अधिकारी भी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद श्री आलोक कुमार वर्मा ने कान्फ्रेंस हाल में दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का प्रमुख दायित्व जनता के दुखःदर्दो को समझना और उनकी समस्याओं का निदान करना हैं। उन्होंने कहा कि जनहित में जारी किये गये मोबाइल एपस् ठीक हैं परन्तु आम जनता का पुलिस अफसरों तक पहुंचना आसान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सभी अधिकारी एवं कर्मी पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस के अधिकारी पीक ऑवर्स में स्वयं भी सड़कों पर नज़र आने चाहिए। सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मी प्रोफेशनल पुलिसिंग करें और जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर काम करें और आम जनता का विश्वास अर्जित करने का निरंतर प्रयास करें। श्री आलोक कुमार वर्मा ने कहा कि सभी थानों, पुलिस परिसरों और कॉलोनियों में साफ–सफाई रखने के साथ–साथ पुलिसकर्मियों को मैस में अच्छा खाना भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए।



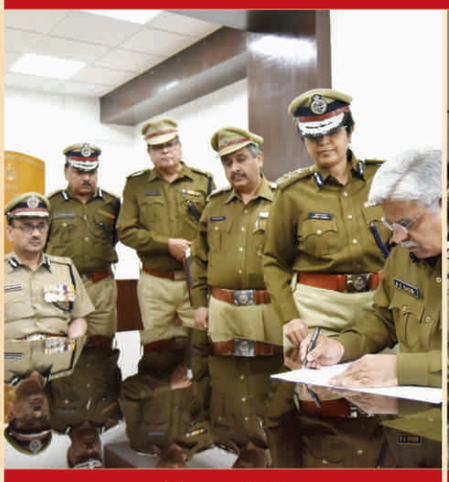
गार्ड ऑफ ऑनर लेते हुए श्री आलोक कुमार वर्मा



नए पुलिस आयुक्त को उनकी सीट पर आसीन कराते पूर्व पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी



पदभार ग्रहण करते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा



पदमुक्त होते हुए पूर्व पुलिस आयुक्त



शिष्टाचार स्वरूप श्री भीम सैन बस्सी एवं श्रीमती विमला मेहरा को विदाई देते हुए पुलिस आयुक्त श्री आलोक वर्मा

नये पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा का दिल्ली पुलिस कर्मियों के लिए संदेश।

साथियों,

मैं, आलोक कुमार वर्मा आज दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार संभालने के पश्चात आपसे कुछ शब्द कहना चाहूँगा। मैंने दिल्ली पुलिस में विभिन्न स्तर पर आपके साथ मिलकर दिल्ली के नागरिकों की सेवा की है। दिल्ली पुलिस मेरे मन में रची–बसी है। आज दिल्ली पुलिस के आयुक्त के रूप में आपके साथ काम करने का अवसर मिलने पर मैं गर्व महसूस कर रहा हूँ।

साथियों, आप सभी ने अपनी जी–जान लगा कर दिल्ली पुलिस को सींचा है और भारत की सर्वोत्तम पुलिस के रूप में इसका नाम स्थापित किया है। यह आप ही के परिश्रम, निष्ठा एवं सतत् प्रयास के कारण सम्भव हुआ है। आप सब अपने इस अथक परिश्रम के लिए शाबाशी के पात्र हैं। आगे भी हमें दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली को और अच्छा एवं मजबूत बनाना है। मेरी हमेशा यह अपेक्षा रहेगी की हम सब मिलकर दिल्ली पुलिस की छवि को और सुधारें। यह तो स्वाभाविक है कि दिल्लीवासियों को हमसे बहुत उम्मीदें रही हैं और रहेंगी। इसके अलावा भी हमें कई प्रकार की कठिनाइयों, बाधाओं और चुनौमियों का सामना करते रहना होगा।

हमें हमेशा ध्यान में रखना चाहिये कि हमारी आन्तरिक चुनौतियों जैसे कि जाति, वर्ग और धर्म हमारे कर्तव्यपालन में कोई बाधा नहीं डालें और हमें सदैव इनसे ऊपर उठकर ताकि निष्पक्ष रहकर अपना कार्य लगातार करते रहना चाहिए। हमें कानून व्यवस्था के प्रति जागरूक रहना होगा और सक्षमता एवं सवेंदनशीलता के साथ निस्वार्थ भाव से इस कर्त्तव्य को निभाना होगा।

मैं, दिल्ली पुलिस के अपने सभी साथियों से यह भी अपेक्षा करूँगा कि ना केवल संगीन एवं गम्भीर मामलों पर ध्यान दे बल्कि छोटे से छोटे मामले जो पुलिस की नज़र में तो छोटे मामले होते हैं, लेकिन आम आदमी के लिए परेशानी का कारण होते हैं, उन पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसा करने से हमारी कार्यप्रणाली दिल्ली की आम जनता की नज़र में और अधिक अच्छी स्थापित होगी। मैं, आशा करूँगा कि दिल्ली पुलिसकर्मी भ्रष्टाचार, अशिष्टता एवं बर्बरता से दूर रहेंगे।

वृद्ध नागरिकों, महिलाओं, बच्चों एवं समाज के कमजोर वर्ग के लोगों में हमें विशेष रूप से सुरक्षा की भावना महसूस करवानी होगी। मैं, यह भी चाहूँगा कि हमारी कार्यप्रणाली ऐसी रहे कि अपराधियों को भय महसूस हो और आम जनता में पुलिस के प्रति पूर्ण भरोसा हो। हमें अपराधियों के साथ सख्ती से पेश आना है और भारत की राजधानी को ज्यादा से ज्यादा सुरक्षित एवं अपराध मुक्त रखना है। यह हमें हर क्षण ध्यान रखना होगा कि दिल्ली पुलिस की छवि को किसी तरह का धक्का हमारे कृत्य से न हो।

दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल वर्ग हमारी रीढ़ की हड्डी है और इनके ऊपर हमारा काफी दारोमदार रहता है। मैं, यह चाहूँगा कि सुपरवाइजरी अधिकारी हमेशा अपने सबऑर्डिनेट से संवाद की स्थिति बनाएं रखें एवं सामने आई किसी भी तरह की कठिनाई को दूर



करते रहें। मेरा विशेष ध्यान प्रत्येक दिल्ली पुलिसकर्मी को समय–समय पर बराबर छुट्टी, परमिशन एवं रेस्ट मुहैया कराने पर भी रहेगा। हमारे पुलिसकर्मी साथियों के लिए ज्यादा से ज्यादा रिहायशी मकान, बेहतर बैरक और मैस की व्यवस्था इत्यादि करने का प्रयास करूँगा। आगे के आने वाले दिनों में अपने कर्त्तव्य को सफलता से निभाने के लिए मेरी शुभकामनाएँ आप और आपके परिवार के लिए सदैव साथ हैं। साथियों बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि कल रात हमारे दिल्ली पुलिस परिवार के दो सदस्य एएसआई मनोज कुमार जो ट्रैफिक में तैनात थे तथा कां. अरविन्द जो सिक्योरिटी यूनिट में थे की रोड़ दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो गई। मैं उनके परिवार के प्रति गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

अंत में आपको यह भरोसा भी दिलाना चाहता हूँ कि आपकी किसी भी दुविधा के समाधान के लिए मेरे कार्यालय के दरवाजे आपके लिए सदैव खुले रहेंगे।

आईये, हम सब मिलकर एक बार फिर दिल्ली पुलिस को और बेहतर बनाने की नई शुरूआत करें।

धन्यवाद। जय हिन्द।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी के सम्मान में विदाई परेड का आयोजन



29 फरवरी, 2016 की प्रातः किंग्जवे कैंप स्थित परेड ग्राउंड में सेवानिवृत होने वाले **श्री भीम सैन बस्सी** के सम्मान में विदाई परेड का आयोजन किया गया। 1978 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री भीम सैन बस्सी ने परेड को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि 38 साल, 7 महीने और 18 दिन पुलिस सेवा में रहते हुए मुझे लोगों की सेवा करने का मौका मिला। दिल्ली पुलिस में अपने कार्यकाल की चुनौतियों और खट्टे मीठे अनुभवों को साझा करते हुए कहा उन्होंने कि मुझे दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों





एवं कर्मियों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि हर विभाग में अच्छाइयां और बुराइयां दोनों होती हैं परन्तु हमें हमेशा बुराई से ऊपर उठकर अच्छाई को बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस का किसी से भी कोई टकराव नहीं रहा और हमेंशा राजनीति दबाव से ऊपर उठकर काम किया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का शुक्रिया अदा करते हुए नए पुलिस आयुक्त के लिए दिल्ली पुलिस को नई उंचाईयों पर ले जाने के लिए शुभकामनाएँ दी।



विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा को सेवा निवृत्त होने पर शुभकामनाएं देते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी।



सेवानिवृत्त हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए नवनियुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा।



पिछली परंपरा का अनुपालन करते हुए इस बार भी सेवा निवृत्त हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी की कार को सम्मानपूर्वक रस्सी से खींचते हुए पुलिस मुख्यालय के निकासी द्वार तक छोड़ते हुए पुलिस अधिकारी एवं कर्मी।



विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा की कार को निकासी द्वार तक ले जाते हुए पुलिसकर्मी

दिल्ली पुलिस के नए मुखिया
श्री आलोक कुमार वर्मा



दिल्ली पुलिस एवं संघ शासित राज्यों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपने दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले 1979 बैच के सबसे वरिष्ठ एवं अनुभवी आईपीएस अधिकारी **श्री आलोक कुमार वर्मा** को दिल्ली पुलिस का 20वां पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। 58 वर्षीय श्री आलोक कुमार वर्मा ने 29 फरवरी, 2016 को सेवानिवृत हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से पुलिस आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। 31 जुलाई, 2017 तक पुलिस आयुक्त के पद को सुशोभित करने वाले श्री आलोक कुमार वर्मा सेंट स्टीफन कॉलेज से स्नातक करने के बाद 1979 में एग्मू कैडर 1979 (अरूणाचल, गोवा, मिजोरम व यूनियन टेरीटरी) में अकेले आईपीएस अधिकारी चयनित हुए। उपायुक्त पुलिस (दक्षिण जिला), संयुक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र) विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध), विशेष पुलिस आयुक्त (इंटेलीजेंस), विशेष पुलिस आयुक्त (सतर्कता), विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) व डीजीपी मिजोरम मुख्यतः शामिल हैं। काफी लम्बे समय तक उपायुक्त पुलिस एफ.आर.आर.ओ का कुशलतापूर्वक कर्तव्य निभाने वाले श्री वर्मा जी ने गुप्तचर ब्यूरों में प्रतिनियुक्ति पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न मौकों पर कार्यकुशलता, सक्षमता और पेशेवर निपुणता का उल्लेखनीय प्रदर्शन करने पर उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए और विशिष्ठ सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका हैं।

श्री आलोक कुमार वर्मा ने अपने सफल पुलिस करियर की शुरूआत बेसिक प्रशिक्षण के बाद वर्ष 1979 में एसीपी (आईपीएस) दक्षिणी जिला से की। उसके बाद वर्ष 1984 तक एसीपी सब्जी मंडी, चाणक्यपुरी और विशेष शाखा में सफलतापूर्वक दायित्व निभाने पर वर्ष 1984–85 के बीच गोवा में उप–निदेशक सिविल डिफेंस व होमगार्ड, दायित्व का निर्वहन करने के बाद वर्ष 1985 में अति.उपा.पुलिस सुरक्षा का प्रभार निभाया। वर्ष 1987 में प्रिंसिपल आरटीसी के बाद वर्ष 1987 से 1992 तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक (आईबी) में कर्तव्यपालन किया। वर्ष 1992 से 1995 तक उपायुक्त पुलिस दक्षिणी जिला के महत्वपूर्ण पद को सुशोभित किया। वर्ष 1995 से 2001 तक महाप्रबंधक हैंडलूम व हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट कॉरपोरेशन में कुशलतापूर्वक काम करने के बाद वर्ष 2001 से वर्ष 2004 तक अंडमान निकोबार एंड आईलैंड में आईजीपी के पद का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। इसके अलावा नेशनल डिफेंस कॉलेज, एनसीआरबी व इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 2004 से 2006 तक संयुक्त पुलिस आयुक्त (पीएंडएल) में तैनाती के बाद वर्ष 2006 से 2007 तक संयुक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र) का सफल नेतृत्व किया। वर्ष 2007 से 2008 तक संयुक्त पुलिस आयुक्त, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ व नारकोटिक्स जैसी महत्वपूर्ण ईकाईयों में काम करते हुए वर्ष 2008 में विशेष पुलिस आयुक्त पद पर पदोन्नत होने के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) का दायित्व निभाया। वर्ष 2008 से 2011 तक डीजीपी पुद्चेरी और वर्ष 2012 विशेष पुलिस आयुक्त सतर्कता व गुप्तचर का दायित्व निभाया। वर्ष 2012 से 13 तक डीजी मिजोरम में सेवाएँ देने के बाद वर्ष 2013 के मध्य में विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) के अति महत्वपूर्ण पद की गरिमा को आगे बढ़या। अगस्त 2014 में महानिदेशक (दिल्ली जेल) जैसे अति संवेदनशील और महत्वपूर्ण पद पर स्थानांतरित होने के बाद इन्होंने 29 फरवरी, 2016 को पुलिस आयुक्त, दिल्ली का पदभार ग्रहण किया।



पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की और अपनी कार्यशैली और प्राथमिकताओं के बारे में विचार-विमर्श किया।





पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा ने 29 फरवरी 2016 को राजपत्रित अधिकारी मैस में सेवानिवृत्त हुए श्री भीम सैन बस्सी एवं श्रीमती विमला मेहरा के सम्मान में रात्रि भोज दिया। इस विदाई भोज में दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए। चित्र में रात्रि भोज के बाद पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा सेवा निवृत्त हुए श्री भीम सैन बस्सी एवं श्रीमती विमला मेहरा को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए।

हमारी आचार संहिता

हमें यह बात जान लेनी चाहिए कि हमारे कार्य की सफलता जनता से तुरंत सहयोग मिलने पर ज्यादा निर्भर करती है। जनता का सहयोग उनका विश्वास जीतने की हमारी क्षमता तथा अपने कार्यों के प्रति उनका समर्थन जुटा पाने की योग्यता पर निर्भर करता है।

हमारे भूतपूर्व पुलिस आयुक्त

1 जुलाई, 1978 को दिल्ली में पुलिस आयुक्त प्रणाली (Commissionary System) लागू होने के बाद से अब तक के भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों की सेवाकाल अवधि इस प्रकार है।



श्री. जे.एन. चतुर्वेदी
अक्टूबर 1977 से जनवरी 1980



श्री पी.एस भिंडर
जनवरी 1980 से दिसम्बर 1981



श्री बजरंग लाल
दिसम्बर 1981 से अप्रैल 1983



स्व. श्री सुभाष चंद टंडन
अप्रैल,1983 से नवम्बर, 1984



श्री एस.एस. जोग
नवम्बर, 1984 से अप्रैल, 1985



श्री वेद मारवाह
अप्रैल, 1985 से अप्रैल, 1988



श्री राजा विजय करण
अप्रैल, 1988 से दिसम्बर 1990



श्री अरूण भगत
दिसम्बर, 1990 से फरवरी, 1992



श्री एम.बी कौशल
फरवरी, 1992 से जनवरी, 1995



श्री निखिल कुमार
जनवरी, 1995 से मार्च, 1997



श्री टी.आर. कक्कड़
अप्रैल, 1997 से मई, 1998



श्री वी.एन. सिंह
मई, 1998 से जून, 1999



श्री अजयराज शर्मा
जुलाई, 1999 से जून, 2002



श्री आर.एस. गुप्ता
जुलाई, 2002 से फरवरी, 2004



डॉ. के.के. पाल
फरवरी, 2004 से जुलाई, 2007



श्री वाई.एस.डडवाल
जुलाई, 2007 से नवम्बर 2010



श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता
नवम्बर 2010 से जून 2012



श्री नीरज कुमार
जून 2012 से 31 जुलाई, 2013



श्री भीम सैन बस्सी
जुलाई 2013 से फरवरी 2016

एक्सिस बैंक द्वारा पुलिसकर्मियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाओं की सौगात



12 जनवरी, 2016 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में दिल्ली के इतिहास में हुई सबसे बड़ी 22.5 करोड़ रूपये की लूट की वारदात को सुलझाने वाली टीम को एक्सिस बैंक द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर एक्सिस बैंक की एमडी/सीईओ सुश्री शिखा शर्मा, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णैया व दक्षिण–पूर्वी जिला पुलिस टीम के सदस्य जिन्होंने 26 नवम्बर, 2015 को इस बड़ी लूट की वारदात को सुलझाने में अहम् भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर सुश्री शिखा शर्मा ने दिल्ली पुलिस शहीदी फंड के लिए 11 लाख रूपये का चैक भी भेंट किया। इस वारदात को सुझलाने में और लूट की अधिकांश रकम बरामद करने पर दिल्ली पुलिस का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में भी दर्ज किया गया था।

एक्सिस बैंक की एमडी/सीईओ सुश्री शिखा शर्मा ने इस अवसर पर बताया कि वर्ष 2002 से स्थापित हुआ एक्सिस बैंक दिल्ली के पुलिसकर्मियों के लिए हर संभव सहायता मुहैया कराने का प्रयास करता हैं एवं भिन्न–भिन्न प्रकार की सुविधाऐं देता हैं। दिल्ली/एनसीआर में संचालित एक्सिस बैंक की 166 शाखाओं/1130 एटीएम में से 36 एटीएम केवल दिल्ली पुलिस को समर्पित हैं। इन बैंक शाखाओं एवं एटीएम में दिल्ली पुलिसकर्मियों को विशेष सुविधाएँ दी जा रही है। पुलिसकर्मी एक्सिस बैंक एटीएम के अलावा अन्य किसी भी बैंक के एटीएम का कितनी ही बार प्रयोग कर सकते हैं। निःशुल्क डीडी/पीओ/चैक बुक व 50 हजार रूपये की परचेज़ प्रोटक्शन एंड लॉस्ट कार्ड लॉयबेलिटी, हाउसिंग, ऑटो, पर्सनल, मोर्गेज़ लोन आदि की सुविधा, एलआईसी/ जीआईसी/ म्यूचल फंड/ऑन लाइन ट्रैडिंग अकांउट, फिक्स, रिकरनिंग डिपाज़िट जैसी सुविधाओं के अलावा 50 लाख रूपये के एयर दुर्घटना बीमा के अलावा 25 लाख रूपये का सड़क दुर्घटना बीमा जिसमें आतंकवाद व भीड़ के द्वारा हुई मौत भी शामिल हैं। एक्सिस बैंक मोबाइल ऐप सुविधा उपलब्ध कराने के अलावा अप्रैल 2013 से शुरू की दुर्घटना बीमा दावा योजना के तहत 4.75 करोड़ रूपये की अदायगी की गई। एक्सिस बैंक ने बैकिंग सुविधा से भी हटकर स्वास्थ्य जांच कैंप, वृक्षारोपण, खाताधारियों को जागरूक करने के लिए ब्रिफिंग, कार डिस्पले व लॉन के लिए ऑफर आदि। समारोह के दौरान पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि वारदात होने व उसकी शिकायत मिलने में 3 घंटे का अंतर था। फिर भी पुलिस टीम ने जो कार्यवाही की वह प्रशंसनीय हैं। लूटी गई रकम समाज की थी जिसे बचाने में हमने कामयाबी पाई, यही हमारी सफलता है।



विशिष्ट सेवाओं और सराहनीय सेवाओं के लिए 21 पुलिस अधिकारी एवं कर्मी पुलिस पदक से सम्मानित।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के 21 जांबाज पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित होने वालों में शामिल हैं:

विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित





श्री सत्येन्द्र गर्ग
विशेष पुलिस आयुक्त



श्री रणवीर सिंह
अति.आयुक्त पुलिस



श्री रविशंकर
वाइस प्रिंसिपल



श्री रमेश कुमार
इंस्पेक्टर



सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित



श्री लक्ष्मीनारायण
एसीपी



श्री प्रेम वल्लभ
इंस्पेक्टर



श्री शिवाजी चौहान
इंस्पेक्टर



श्री भारत भूषण
इंस्पेक्टर



श्री मोहन लाल
इंस्पेक्टर



श्री रमेश चन्द
एसआई



श्री विजेन्द्र सिंह
एसआई



श्रीमती ऊषा रानी
एसआई



श्री सत्यवीर सिंह
एएसआई



श्रीमती रिशाली यादव
एएसआई



श्री पंकज नंदा
हैड कां0



श्री जगवीर सिंह
हैड कां0



श्री हर्ष सिंह
कांस्टेबल



श्री योगेश कुमार
कांस्टेबल



श्री जगत सिंह
कांस्टेबल



श्री मनोज वशिष्ठ
कांस्टेबल



श्री ईश्वर सिंह
कांस्टेबल



परेड कमांडर एसीपी (आईपीएस) श्री बलराम यादव के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस का मार्चिंग दस्ता 26 जनवरी को राजपथ पर मंच के सामने से गुजरता हुआ।

दिल्ली पुलिस नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरी उतरी और उसकी साख व इज्ज़त पूरे देश में बढ़ी है : केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह





16 फरवरी, 2016 को किग्जवे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन मैदान में दिल्ली पुलिस ने अपना 60वां पुलिस स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न जिला/यूनिटों के परेड दस्तो ने शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर भूतपूर्व पुलिस आयुक्त श्री एम.बी.कौशल, श्री टी.आर.कक्कड़ व श्री बी.के.गुप्ता के अलावा भारी संख्या में वर्तमान एवं भूतपूर्व पुलिस अधिकारी मौजूद थे। समारोह के मेज़बान पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने मुख्य अतिथि की अगवानी की और उन्हें सलामी मंच तक ले गये। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने मुख्य अतिथि का आथित्य स्वीकार करने पर आभार प्रकट करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली पुलिस ने पिछले वर्ष कई बड़ी सफलताओं और उपलब्धियों को प्राप्त किया है। दिल्ली पुलिस ने पिछले वर्ष अपनी उत्कृष्ट कार्यकुशलता, पेशेवर निपुणता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया, चाहे वह आतंकवाद के रूप में हो, कुख्यात/खूंखार अपराधियों की धर–पकड़ हो, संगीन व संवेदनशील मामलों को सुलझाने के रूप में हो, महिलाओं को सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण मुहैया कराने का सतत् प्रयास हो। दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्यशैली में नई तकनीक का भरपूर प्रयोग किया है। उसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं और दिल्ली के नागरिकों के लिए कल्याणकारी साबित हुए हैं। ऑपरेशन भरोसा, शिष्टाचार, अहसास व निर्भीक जैसे अभियान सीधे जनता से जुड़ने का प्रयास हैं। अब नहीं है डरना, हिम्मत, पीपीसी, लॉस्ट रिपोर्ट मोबाइल एप्लीकेशन व अपग्रेडिड वेबसाइट, वन टच अवे, एंटी ऑटो थेफ्ट व भ्रष्टाचार के लिए विशेष हेल्पलाइन नम्बर–1064 व रेलवे हेल्पलाइन नम्बर –1512 जैसे कदमों की शुरूआत नई तकनीक का एक हिस्सा रही हैं। ई–बीट बुक और ई–एफआईआर के साथ–साथ ट्वीटर हैंडल की शुरूआत भी काफी कारगर साबित हो रही है। ई–बीट बुक व्यवस्था में बीट कांस्टेबल की जेब में और बीट कांस्टेबल जनता की जेब में कहावत चरितार्थ हो रही हैं। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि मैंने देखा है कि पिछले 20 महीनों में दिल्ली पुलिस नागरिकों की अपक्षाओं पर खरी उतरी है और उसकी साख व इज्जत पूरे देश में बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के नाते यहां राजनीतिक, सांस्कृतिक व व्यापारिक गतिविधियों के साथ–साथ विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बिंदू हैं। इसके साथ ही वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था के साथ–साथ आम जनता की अपेक्षाएँ भी दिल्ली पुलिस के प्रति बढ़ी है। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में बेहतर कानून–व्यवस्था बनाए रखने में नई–नई तकनीक को अपनी कार्यशैली में शामिल किया, जो काफी सफल और कारगर साबित हुई है। अंग्रेजों के जमाने में जनता पुलिस की वर्दी देख कर ही डर जाती थी। परन्तु अब पुलिस व जनता के बीच मित्रता का संबंध हैं। श्री राजनाथ सिंह जी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा में दिल्ली पुलिस ने जो कदम उठाये हैं, वे सराहनीय हैं। उन्हें लोगों ने सराहा है इस संबंध में हिम्मत एप ने अहम भूमिका निभाई हैं। महिलाओं से अत्याचार से निपटने के लिए जो कारगर कदम पुलिस ने उठाये हैं मैं उनकी प्रशंसा करता हूँ, बधाई देता हूँ। कई बार दुर्भाग्यवश ऐसी कोई वारदात हो जाती है जो हम सभी को शर्मशार कर जाती है। उसे रोकने के लिए हमें और ज्यादा सचेत और जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं कई बार कह चुका हूँ कि देश के पुलिस बलों में महिलाओं की भागीदारी कम से कम 33 प्रतिशत होनी चाहिए। मुझे इस बात की खुशी है कि दिल्ली पुलिस में महिलाओं की संख्या बढ़ रही हैं। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस ने पूर्वोत्तर राज्यों के नौजवानों की भर्ती कर अपने वायदे को निभाया है। उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगा कि दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों के अनुभवों एवं मागदर्शन का पुलिस कार्यशैली में उपयोग करना चाहिए। उन्होंने देश में हुई सबसे बडी 22.5 करोड़ रूपये की लूट की वारदात सुलझाने पर दिल्ली पुलिस का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज होने पर बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस को आतंकवाद से लड़ने के साथ–साथ आतंकवादियों एवं आतंकी वारदातो से जूझना पड़ता है। दिल्ली में जनता और वाहनों की निरंतर बढ़ती संख्या के कारण भी पुलिस को ज्यादा सचेत व क्रियाशील रहना पड़ता है। ट्रैफिक मैनेजमेंट एक कठिन प्रकिया है। परन्तु दिल्ली पुलिस उसे अपने कड़े परिश्रम और कुशल प्रबंधन से सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। अंत में मुख्य अतिथि महोदय ने पदक विजेताओं को पुलिस पदक से अलंकृत करते हुए शानदार परेड़ की प्रशंसा की और परेड कमांडरों और दस्तो का नेतृत्व करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मैं पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर पुलिस के सभी अधिकारियों, कर्मियों और उनके परिजनों को शुभकामनाएँ देता हूँ और पुलिस कल्याण कोष के लिए 5 करोड़ रूपये के अनुदान की घोषणा करता हूँ।





एट होम (सत्कार समारोह)

गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति



श्री आलोक कुमार वर्मा का स्वागत करते हुए मेजबान श्रीमती सुनीरा बस्सी



उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग का स्वागत करते हुए समारोह की मेजबान श्रीमती सुनीरा बस्सी



केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री किरण रिजिजू का स्वागत करते हुए श्रीमती सुनीरा बस्सी



केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए श्रीमती सुनीरा बस्सी



उपराष्ट्रपति श्री हामिद अन्सारी का स्वागत करते हुए श्रीमती सुनीरा बस्सी



महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी



वरिष्ठ अधिकारी एवं महामहिम राष्ट्रपति



महामहिम राष्ट्रपति का अभिनन्दन करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण



राष्ट्रगान के सम्मान में अति विशिष्ठ अतिथि व मेज़बान



महामहिम राष्ट्रपति, गृहमंत्री, थल सेनाध्यक्ष एवं मेज़बान दम्पत्ति



समारोह के दौरान फुर्सत के कुछ पल



एसएसबी की महानिदेशक श्रीमती अर्चना रामसुन्दरम मुख्य अतिथि की तरफ मुखातिब



देश का शीर्षस्थ नेतृत्व



युवा आईपीएस पीढ़ी के साथ अनुभवी मार्गदर्शन



महिला सशक्तिकरण के बीच परस्पर गपशप

19वें नेशनल ई-गवर्नेंस अवार्ड 2015-16 में दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक मोबाइल ऐप को स्वर्ण पदक व अपराध शाखा की लॉस्ट रिपोर्ट ऐप को रजत पदक से सम्मानित किया गया।



दिल्ली पुलिस ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की स्मार्ट पुलिसिंग की कल्पना को यर्थात रूप देते हुए वर्ष 2014–15 के दौरान जनकल्याण हेतु कई मोबाइल एप्लीकेशनस् को अपनी कार्यशैली में शामिल किया है। जिसके बेहतर और कारगर परिणाम सामने आने पर नागरिकों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुई और इन एप्स् को देश और विदेश में भी सराहा गया है। इन मोबाइल एवं वेब आधारित एप्स के शुरू होने पर दिल्ली पुलिस में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ–साथ भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में कामयाबी मिली है। दिल्ली के नागरिकों को खोई हुई वस्तुओं की रिपोर्ट दर्ज कराने, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेने, वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने, ट्रैफिक के बारे में अपडेट लेने, निसंकोच होकर भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने और चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त करने में आने वाली मुश्किलों से भी निजात मिली हैं।



नेशनल ई-गवर्नेंस अवॉर्ड समारोह में स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित दिल्ली ट्रैफिक पुलिस मोबाइल एप को 2 लाख रूपये तथा अपराध शाखा की लॉस्ट रिपोर्ट को रजत पदक व 1 लाख रूपये से सम्मानित किया गया।

केन्द्रीय कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक मोबाइल एप को स्वर्ण पदक से तथा अपराध शाखा की लॉस्ट रिपोर्ट को रजत पदक के लिए चुना गया। 21 व 22 जनवरी, 2016 को नागपुर में आयोजित 19वें राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस पुरस्कार समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस ने दिल्ली पुलिस को ये दोनों पुरस्कार प्रदान किये। दिल्ली पुलिस की तरफ से विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री ताज हसन एवं उपायुक्त पुलिस (आई.टी.सेंटर) श्री महेश बत्रा नागपुर में हुए पुरस्कार समारोह में शामिल हुए और इन पुरस्कारों को प्राप्त किया। 8 मई, 2014 को शुरू की गई ट्रैफिक पुलिस मोबाइल एप्लीकेशन को क्रियान्वित करने में विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला एवं श्री शरद अग्रवाल, उपायुक्त पुलिस श्री आर.के.झा, एसीपी श्री रविन्द्र सोनी तथा इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह ढुल ने अहम भूमिका निभाई थी जबकि 27 फरवरी, 2014 को शुरू की गई लॉस्ट रिपोर्ट को क्रियान्वित करने में विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्री धमेन्द्र कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस (सीआरओ/पीआरओ) श्री राजन भगत, उपायुक्त पुलिस (आई.टी.सेंटर) श्री महेश बत्रा एवं इंस्पेक्टर शिवाजी चौहान ने अहम भूमिका निभाई। 27 जनवरी, 2016 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने दोनों मोबाइल एप्लीकेशन्स की शुरूआत करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

पुलिस मुख्यालय में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई।



14 जनवरी, 2016 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हाल में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** की अध्यक्षता में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड सहित कई पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान आगामी 26 जनवरी, 2016 के सुरक्षा प्रबंधों को लेकर काफी गहन व गंभीर विचार–विमर्श किया गया, जिसमें आंतकवादी संगठनों व अन्य असामाजिक तत्वों के बारे में खुफिया सूचनाएँ परस्पर शेयर करने पर जोर दिया गया। संभावित आतंकवादी खतरे को देखते हुए सशस्त्र प्रतिक्रिया टीम के गठन करने और आंतकवादियों के संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान साइबर केफे, गेस्ट हाउस, व किरायेदारों के सत्यापन पर भी ध्यान देने को कहा गया। इसके साथ ही पिछले दिनों पठानकोट (पंजाब) में हुए आतंकवादी हमले को ध्यान में रखते हुए निगरानी बढ़ाने और गुप्तचर सूचनाओं के तत्काल आदान–प्रदान करने पर को भी कहा गया। बैठक के दौरान मानव तस्करी, गुमशुदा बच्चों, अवैध हथियारों और नशीले पदार्थो की तस्करी पर रोकथाम व नकली मुद्रा के प्रसार पर अंकुश लगाने पर विशेष जोर दिया गया। महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा करते हुए पुलिस आयुक्त महोदय ने कहा कि सभी अधिकारी दिल्ली व एनसीआर में सभी बीपीओज़ को निर्धारित गाइडलाइन्स को सख्ती से लागू करने के साथ–साथ अपराधों, अपराधियों के तौर–तरीकों और उनके पिछले रिकार्ड पर भी ध्यान केन्द्रित करें। पिछले दिनों मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन) उड़ाने की वारदात देखने में आई है जो सुरक्षा के लिए काफी बड़ा खतरा हैं जिस पर विशेष ध्यान दिये जाने की जरूरत हैं। बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने और अपराधों को हल करने में दिल्ली पुलिस व एनसीआर की पुलिस टीमें मिलकर संयुक्त प्रयास करें।

276 पीएसआई और 187 महिला कां0 प्रशिक्षण समाप्ति के बाद दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल।





26 फरवरी, 2016 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में पासिंग आउट परेड में 276 पीएसआई (जिनमें 90 महिला पीएसआई भी शामिल हैं) तथा 187 महिला सिपाहियों ने अपना प्रशिक्षण समाप्त कर दिल्ली पुलिस परिवार की पूर्ण सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्रीमती विमला मेहरा ने परेड की सलामी ली और सफलतापूर्वक प्रशिक्षण समाप्त करने पर प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए पुलिस परिवार में शामिल होने पर शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री किशन कुमार, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री एन. ज्ञानसंबंधन, अति.उपा.पुलिस श्री रवि शंकर तथा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, कर्मी और प्रशिक्षणार्थियों के परिजन उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि आपने अपने लम्बे, कठोर और अनुशासित प्रशिक्षण के दौरान जो प्राप्त किया है उससे समाज को लाभांवित करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करें। अपने पुलिस कर्तव्यपालन के दौरान तकनीक और विज्ञान का यथासंभव प्रयोग करें। विभिन्नता में एकता का प्रतीक देश के विभिन्न राज्यों से दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए इन पीएसआई में 83 हरियाणा, 76 दिल्ली, 61 उत्तर प्रदेश, 24 राजस्थान, 6 बिहार, 5 मणिपुर, 2 उत्तराखंड, 3 पंजाब, 2 हिमाचल प्रदेश, 2 चंडीगढ़, 6 गोवा तथा तेलगांना, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश व छतीसगढ़ से भी एक–एक युवा शामिल थे। पासआउट हुए इन पीएसआई प्रशिक्षणार्थियों में 4 एमएससी, 54 एम.टैक, 48 एम.ए, 3 एम.बी.ए, 33 बीएससी, 18 बी.एससी तथा 168 स्नातक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। महिला प्रशिक्षणार्थियों की उच्च शिक्षा को देखने से यह बात भी प्रमाणित होती है कि अब महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। क्योंकि महिला सिपाहियों के इस बैच में अधिकांश महिला प्रशिक्षु एमएससी, एम.ए, बीएससी और स्नातक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त है। जो भविष्य में नागरिकों के साथ शालीन और व्यवहार कुशल बर्ताव करने के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करेंगी। 187 महिला सिपाहियों में 48 उत्तर प्रदेश, 48 राजस्थान, 40 हरियाणा, 39 दिल्ली, 3 झारखंड, 7 बिहार तथा 1 महिला उड़ीसा राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। पीएसआई रोहित कुमार चाहर को आलराउंड फर्स्ट तथा महिला प्रशिक्षुओं में कां0 शर्मिला को सर्वश्रेष्ठ आलराउंड प्रशिक्षु घोषित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा ने पीएसआई रोहित कुमार चाहर व कां0 शर्मिला को ट्राफी व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।


सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु एसआई रोहित चाहर



200 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को बॉडी वार्न कैमरे और 50 ट्रैफिक जिप्सियों में वीडियो कैमरे स्थापित हुए

23 फरवरी, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 200 ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को बॉडी वार्न कैमरे लगाये। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री मुक्तेश चन्द व संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री शरद अग्रवाल के अलावा काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। बॉडी वार्न कैमरों का उद्देश्य पुलिस के बीच सुविधा और पारदर्शिता स्थापित करना, चालान के दौरान हुए वाद–विवाद के साक्ष्य सुरक्षित रखना तथा जनता व सड़कों पर यातायात संचालन की गतिविधियों को कैद करना है। बहुत ही कम लागत पर शुरू हुई इस तकनीक की विशेष बात यह भी है कि इस कैमरे की रिकॉर्डिंग को खुद यातायात पुलिसकर्मी डिलिट नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस की 50 जिप्सियों के डैश बोर्ड पर जीपीएस युक्त वीडियो कैमरे लगाये गये हैं। जब कोई वाहन चालक रेड लाइट जम्प, तेज गति, डेंजर्स ड्राइविंग या अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करेगा तो उसकी पूरी रिकॉडिंग और लॉकेशन इन वीडियो कैमरों में कैद हो जाएगी। देश में पहली बार दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा शुरू की गई इस योजना से पुलिसकर्मी व जनता दोनों ही लाभान्वित होंगे।



51 सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां0/कांस्टेबल सम्मानित

पुलिस मुख्यालय द्वारा 22 जनवरी, 2016 को जारी एक आदेशानुसार विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 51 सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कांस्टेबलों को नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) कानून एवं व्यवस्था (समन्वय) की अध्यक्षता में गठित हुई 'चयन समिति' ने अपनी–अपनी बीट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बीट हैडकां0/कां0 का चयन किया है। **चयनित होने वालों में शामिल हैं**:–कां0 बहादुर सिंह (थाना निहाल विहार–15 हजार रुपये), कां0 अमित कुमार (थाना फर्श बाजार–7 हजार रुपये), हैड कां0 नरेश पाल (थाना जाफराबाद–8 हजार रुपये), हैडकां0 सुखेन्दर (थाना आर.के.पुरम्–9 हजार रुपये), कां0 सुबे सिंह (थाना सनलाइट कॉलोनी–10 हजार रुपये), हैडकां0 अशोक कुमार (थाना नज़फगढ़–10 हजार रुपये), हैडकां0 अनिल कुमार (थाना महेन्द्र पार्क 7 हजार रुपये), कां0 जयपाल सिंह व कां0 अनिल (थाना समयपुर बादली 7–7 हजार रुपये), कां0 नरेन्द्र (थाना देशबंधु गुप्ता रोड़–9 हजार रुपये), हैडकां0 राकेश कुमार (थाना कोतवाली 10 हजार रुपये), कां0 कुलदीप सिंह (थाना कनाट प्लेस 8 हजार रुपये), कां0 धर्मबीर (जनकपुरी यातायात सर्कल 8 हजार रुपये), एएसआई जोगी राम व कां0 राकेश कुमार (पीसीआर वेस्ट जोन 10–10 हजार रुपये), हैंडकां0 यादराम (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन 9 हजार रुपये) तथा कां0 मनीष (थाना यमुना बैंक डिपो मैट्रो 9 हजार रुपये)।

19 फरवरी, 2016 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार निम्नलिखित कां0/हैडकां0 सर्वश्रेष्ठ बीट कांस्टेबल के तौर पर चयन किया गया है। **नवम्बर माह में चयनित सर्वश्रेष्ठ बीट कां0** : हैडकां सुनील कुमार थाना फैंडस कॉलोनी– 20 हजार रुपये। कां राज कमल थाना सुलतानपुरी–20 हजार रुपये। कां0 अरविन्द्र कुमार थाना जगतपुरी–7 हजार रुपये। हैडकां0 रामसिंह थाना सीमापुरी–10 हजार रुपये। हैडकां0 मुकेश कुमार थाना मालवीय नगर–15 हजार रुपये। हैडकां0 तिलक राज थाना राजौरी गार्डन–12 हजार रुपये, हैडकां0 कृष्ण कुमार थाना कापसहेड़ा 10 रुपये। हैडकां0 प्रवीण अभयंकर थाना स्वरूप नगर–15 हजार रुपये। कां0 विजय थाना समयपुर बादली–12 हजार रुपये। कां0 शंभू दयाल थाना दरियागंज 8 हजार रुपये। हैडकां0 सुखबीर सिंह थाना कोतवाली–10 हजार रुपये। कां0 राजीव कुमार तोमर थाना कनॉट प्लेस–10 हजार रुपये। हैडकां0 कंवर सिंह सुप्रीम कोर्ट यातायात सर्कल–8 हजार रुपये। कां0 ईश्वर व कां0 जगराम दक्षिण–पूर्वी जोन पीसीआर–दोनों को 10–10 हजार रुपये। हैडकां0 शोरण सिंह थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन व कां0 अमर पाल थाना मैट्रो स्टेशन दोनों को 10–10 हजार रुपये। **दिसम्बर माह में चयनित सर्वश्रेष्ट बीट कां0**: हैडकां0 राजीव कुमार थाना आनंद विहार–8 हजार रुपये। कां0 बाबर रजा थाना हर्ष विहार 15 हजार रुपये। कां0 अनुज कुमार तोमर थाना आर.के.पुरम् 10 हजार रुपये। हैडकां0 प्रमोद कुमार थाना कालकाजी 8 हजार रुपये। कां0 कमल थाना ख्याला 10 हजार रुपये। कां0 रमेश कुमार थाना कापसहेड़ा 8 हजार रुपये। हैडकां0 कृष्ण कुमार व कां0 दीपक कुमार थाना भलस्वा डेयरी दोनों को 15–15 हजार रुपये। हैडकां0 अशोक थाना करोल बाग 8 हजार रुपये। हैडकां0 कृष्ण पाल थाना कोतवाली 8 हजार रुपये। हैडकां0 सतीश कुमार थाना मन्दिर मार्ग 15 हजार रुपये। हैडकां0 रजनीश सीमापुरी ट्रैफिक सर्कल 10 हजार रुपये। हैडकां राम निहार, कां0 मनरूप तथा कां0 (ड्रा0) दीपक बाहरी जोन पीसीआर तीनों को 8–8 हजार रुपये। हैडकां0 रतन सिंह थाना पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन 8 हजार रुपये तथा कां0 मुकेश थाना कुतुबमीनार मैट्रो स्टेशन 8 हजार रुपये।

इस बार के 3 सर्वश्रेष्ठ थाने

उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना मुखर्जी नगर थानाध्यक्ष बीर सिंह को ट्राफी व नकद पुरस्कार से सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह।



मध्य जिला के थाना हौजकाजी थानाध्यक्ष जरनैल सिंह को ट्राफी व नकद पुरस्कार देते हुए मुख्य अतिथि।



बाहरी जिला के थाना समयपुर बादली के थानाध्यक्ष नरेश मलिक ट्राफी व नकद पुरस्कार प्राप्त करते हुए।



'पुलिस आयुक्त जीवन रक्षक पुरस्कार' की घोषणा

इस वर्ष पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर **"पुलिस आयुक्त के जीवन रक्षक पुरस्कार"** की घोषणा की गई हैं। इस पुरस्कार का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को बहादुरी के साथ नागरिकों की जीवन रक्षा के लिए प्रोत्साहित करना हैं। इस वर्ष जीवन रक्षक पुरस्कार से पीसीआर में तैनात एएसआई विजय कुमार, हैडकां0 रणबीर सिंह तथा कुशल पाल को एक 28 वर्षीय युवक के 45 फीट गहरे गड्ढे से सकुशल बाहर निकालने पर सम्मानित किया गया।

श्रद्धांजलि

माह दिसम्बर, 2015 व जनवरी 2016 के दौरान विभिन्न कारणों से दिल्ली पुलिस के 40 कर्मियों की सेवाकाल के दौरान ही असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुलिस परिवार उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **दिसम्बर माह में दिवंगत साथी**: एसआई राजेन्द्र सिंह व हैडकां0 रामअवतार (उत्तर पश्चिमी जिला), कां0 दीपक कुमार व एमटीएस ओमप्रकाश (चतुर्थी वाहिनी), हैडकां0 सत्यनारायण कटारिया, हैडकां0 राजबीर सिंह, कां0 अशोक कुमार तथा कां0 इशक जलैक्सो (दक्षिण–पूर्वी जिला) कां0 बिरेन्द्र सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एमटीएस रामवती व एमटीएस किशन लाल (दक्षिणी जिला), हैडकां0 विरेन्द्र सिंह (पीटीसी), कां0 सतीश कुमार (संचार शाखा), कां0 दशरथ (द्वितीय वाहिनी), हैडकां0 राजबीर सिंह, कां0 संतराम, कां0 नरेन्द्र सिंह (पीसीआर), एसआई रणबीर सिंह व कां0 वेदप्रकाश (बाहरी जिला), हैडकां0 ब्रिजलाल व कां0 दौलत राम (यातायात) हैडकां0 रामकुमार मीणा व कां0 हरीश मोहन (तृतीय वाहिनी) कां0 स्वर्ण कुमार (मध्य जिला), एमटीएस रमेशचंद (अपराध), कां0 प्रमोद कुमार मीणा (सुरक्षा) तथा कां0 जितेन्द्र कुमार (स्पेशल ब्रांच)। माह **जनवरी 2016 में दिवंगत साथी**: एएसआई कर्ण सिंह व हैडकां राजकुमार (पीसीआर), कां0 राहुल (मैट्रो), हैडकां0 सुभाष चंद (उत्तर–पूर्वी जिला), एसआई विजेन्द्र सिंह (सुरक्षा), हैडकां0 हरीकिशन व हैडकां0 बिजेन्द्र जीत (पश्चिमी जिला), कां0 अश्वनी कुमार (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकां0 राजबीर सिंह, हैडकां0 सुरेश कुमार व कां0 प्रवीण यादव (बाहरी जिला) तथा एएसआई राकेश कुमार (पूर्वी जिला)।

आर्थिक व साइबर अपराध से संबंधित मामलों की शिकायतें ऑनलाइन तथा 30 टीबी के डाटा सेंटर का पुलिस आयुक्त द्वारा उद्घाटन



24 फरवरी, 2016 को कमला मार्केट स्थित अपराध शाखा कार्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्रीमती विमला मेहरा, श्री धर्मेन्द कुमार, श्री अमूल्य पटनायक, श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रवीन्द्र यादव, उपायुक्त पुलिस श्री राजन भगत तथा एसीआरबी व सीसीटीएनएस की टीमें भी उपस्थित थी। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने कहा कि आने वाले दिनों में अपराधों के विशाल अभिलेख के रखरखाव को देखते हुए 30टीबी का डाटा सेंटर तैयार किया गया है। इस डाटा सेंटर में 25 सर्वर काम करेंगे जो सभी इंटरनेशनल मानकों को पूरा करते है। जिसमें एप्लीकेशन सर्वर, वेब डाटाबेस, डाटाबेस, बैकअप, ईएमएस सर्वर, डीएमएस सर्वर, एसएसओ सर्वर, एंटीवायरस सर्वर और क्यू मेल सर्वर काम करेंगे। इसकी गुणवत्ता भी सर्वोत्तम है। डाटा सेंटर



की सुरक्षा के लिए 8 सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। अपराध शाखा द्वारा शुरू की गई इस ऑनलाइन कंप्लेंट लॉजिंग सिस्टम का लाभ उठाते हुए शिकायतकर्ता अपनी आर्थिक व साइबर अपराध से संबंधित शिकायतें ऑन लाइन दर्ज कर सकेंगे। इस एप की मदद से नागरिक किसी भी समय अपनी शिकायत साथ–साथ प्राप्त कर सकेंगे। से दर्ज होने वाली वरिष्ठ अधिकारी सकेंगे। फिलहाल थानों को इस सीधे जोड़ा जा वारदात से



दर्ज करने के उसका अपडेट भी इस एप की मदद शिकायतों पर सीधी नज़र रख दिल्ली के सभी डाटा सेंटर से रहा है और संबंधित दस्तावेज को ऑनलाइन देखा जा सकेगा। थानों में इंस्पेक्टर इन्वेस्टीगेशन की देखरेख में 2 एसआई और उनके 2 सहयोगियों की टीम सोशल नेटवर्किंग साइटस पर धोखाधडी, ई–मेल हैकिंग, डेबिट–क्रेडिट कार्ड के जरिये अवैध ऑनलाइन ट्रांजेक्शन जैसे मामलों की जांच कर सकेगी।

सड़क सुरक्षा सप्ताह केवल रस्म अदायगी नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा के प्रति गंभीरता भी है।



11 जनवरी, 2016 को सड़क परिवहन राजमार्ग मार्ग मंत्रालय द्वारा मनाये गये **''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह''** का राजपथ पर माननीय **केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री के अलावा परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी, भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय, सांसद डॉ. हर्षवर्धन विधायक श्री बिजेन्द्र गुप्ता, श्री विजय गोयल, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, सांसद श्री रमेश विधुड़ी, सांसद प्रवेश वर्मा, क्रिकेटर गौतम गंभीर, विशेष पुलिस आयुक्त श्री मुक्तेश चन्द्र व संयुक्त आयुक्त पुलिस श्री शरद अग्रवाल के अलावा भारी संख्या में यातायात पुलिसकर्मी एवं स्वयंसेवी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि हर वर्ष देशभर में लगभग 1 लाख 40 हजार से ज्यादा मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हो जाती है जो कि अन्य किसी आपदा से कहीं ज्यादा है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हर संबंधित एजेसियों को यथासंभव कदम उठाने चाहिए। केंद्रीय परिवहन मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही नया मोटर व्हीकल एक्ट लाने पर विचार किया जा रहा है ताकि मौजूदा परिवहन ढ़ांचे में सुधार लाया जा सके। देश भर में दुर्घटना के लिहाज से 726 संवेदनशील जगहों की पहचान की गई है जिनमें से 10 खतरनाक जगहें दिल्ली में चिन्हित की गई है।

अलवर (राजस्थान) में दिल्ली पुलिस के लॉग फायरिंग रेंज व ट्रैनिंग सेंटर का उद्घाटन।



21 फरवरी, 2016 को विशेष पुलिस आयुक्त (डीजी स्केल) श्रीमती विमला मेहरा ने अलवर जिले के गांव अभनपुरा स्थित पहाड़ियों के बीच दिल्ली पुलिस के लॉग फायरिंग रेंज और ट्रैनिंग सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री किशन कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अशोक कुमार सिंह, अलवर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार, दिल्ली पुलिस व राजस्थान पुलिस के अधिकारी एवं जवान तथा मीडिया के सदस्य उपस्थित थे। वर्ष 2013 में राजस्थान सरकार से दिल्ली पुलिस ने 90 एकड़ जमीन खरीदी थी। पिछले तीन वर्षों में करीब 12.70 करोड़ रूपये की लागत से यह फायरिंग रेंज तैयार किया गया है। इस फायरिंग रेंज में महिला प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण के साथ–साथ रहने की भी व्यवस्था की गई है। इस फायरिंग रेंज का इस्तेमाल पुलिसकर्मियों को कमांड़ो ट्रैनिंग देने और फायरिंग अभ्यास कराने के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर की कमांडो प्रतियोगिताओं के इस्तेमाल के आयोजन के लिए भी किया जाएगा। फायरिंग सेंटर को आधुनिक ट्रैनिंग सेंटर की तर्ज पर आधुनिक संसाधानों से लैस किया जाएगा। दिल्ली पुलिस के इस फायरिंग रेंज का नाम ''मॉडर्नाइज कमांडो सेंटर एंड लॉन्ग फायरिंग रेंज'' रखा गया है।

पुलिस मुख्यालय के नए भवन का शिलान्यास



फोटो : रोज़र जोसफ

16 फरवरी, 2016 को पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने संसद मार्ग के पीछे जयसिंह रोड पर प्रस्तावित नए पुलिस मुख्यालय भवन का दीप जलाकर शिलान्यास किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त श्रीमती विमला मेहरा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा (डीजी स्केल), श्री अमूल्य पटनायक श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, श्री अरविन्द दीप, श्री ताज हसन, श्री मुक्तेशचन्द्र, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा, श्री एस.के.सिंह, उपायुक्त पुलिस श्री जतिन नरवाल, उपायुक्त पुलिस राजन भगत के अलावा भारी संख्या में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान एवं मीडियाकर्मी उपस्थित थे। हालांकि वर्ष 2007 से चल रही इस योजना को किन्हीं प्रशासनिक कारणों से पूरा नहीं किया जा सका था। पुलिस मुख्यालय के लिए आवंटित 8.92 एकड़ जमीन पर 2 बेसमैंट सहित 17 फ्लोर का निर्माण होना है और इसमें आधुनिक सुविधाओं के अलावा कैफेटैरिया और 500 लोगों के बैठने के लिए ऑडिटोरियम भी निर्मित होगा। प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप योजना के तहत 'यूनिटी इंफ्रा लिमिटेड' द्वारा निर्माण कार्य शुरू करने के बाद मात्र 840 दिनों में निर्माण कार्य का समापन किया जाएगा। इस मौके पर साम्प्रदायिक सद्भावना के लिए पंडित, मौलवी, पादरी व ग्रंथी ने संयुक्त रूप से मिलकर भूमि पूजन की विधि को पूरा किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि लगभग 600 से 700 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाला यह पुलिस मुख्यालय आम नागरिकों द्वारा जमा कराये गये टैक्स से पूरा होगा। ऐसे में हमारी जवाबदेही बनती है कि हम जनता की शिकायतें दूर करके अपनी जिम्मेवारी को निभाएँ। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि यदि हम तत्काल किसी की समस्या पर कार्यवाही नहीं कर सकते तो कम से कम मुस्करा कर उनकी समस्या को सुन तो सकते हैं। अपने व्यवहार को जनता के प्रति और जबावदेह तथा बेहतर बना सकते हैं। इस मौके पर उपस्थित कार्यदाती फर्म के निदेशक ने कहा कि पुलिस मुख्यालय भवन का डिजाइन कई मामलों में अलग एवं महत्वपूर्ण हैं और मुझे विश्वास है कि निर्माण कार्य तय समय में पूरा कर लिया जाएगा।

31 जनवरी व 29 फरवरी 2016 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



अति.आ.पुलिस (पीसीआर) श्री रणवीर सिंह | एसीपी (विशेष शाखा) श्री नरेन्द्र मोहन | एसीपी (पीसीआर) श्री राजेन्द्र शर्मा | एसीपी (पीएंडएल) श्री रमेश चंद्र



अति.उपा.पु. (विशेष शाखा) श्री कपूर सिंह | अति.उपा.पु.(राष्ट्रपति भवन) श्री जगमिन्दर सिंह | एसीपी (प्रथम वाहिनी) श्री एस.एस. गिल | एसीपी (उत्तरी जिला) श्री कलीराम मलिक



सम्पादक

सम्पादक : जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस श्री राजन भगत
एवं सह-सम्पादक : उप-नि. सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक